इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024
जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी , उसमे अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह
वर्ष 17 अंक 80 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12
तापमान - अधिकतम 25.5°C (-2.8) न्यूनतम 11.0°C(-0.7) सेंसेक्स 77,155.79 (-422.59) निफ्टी 23,349.90 (-168.60) सोना 78,100 चांदी 82,000 मुद्रा - डालर 84.50 दिरहम 23.01 रियाल 22.53

दूसरों को शिक्षित करना मेरा सपना : प्रो. फरज़ाना मेहदी

लखनऊ (सं)। हेल्थ प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षित करना हमेशा से एक चुनौती रही है। मेरा यह सपना रहा कि दूसरों को शिक्षित किया जाए। इसके लिए मैं लम्बे समय से इस दिशा में काम कर रही हूं। यह कहना एरा विश्वविद्यालय की उप कुलपति प्रो. फरजाना मेहदी का। जो नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन (नेसीएचपीई-2024) में बोल रही थीं।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीज की सुरक्षा ही डॉक्टर की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए उसे हमेशा सीखते रहना चाहिए। यह कॉन्फ्रेंस इस उद्देश्य को पूरा करने का एक प्रयास है। प्रो. महदी ने कहा कि मरीज के इलाज से पूर्व डॉक्टरों को सिमुलेशन पर अभ्यास जरूर करना चाहिए। सिमुलेशन एक प्रकार का कृत्रिम मरीज होता है जिसकी सहायता से डॉक्टरों को सर्जरी व अन्य प्रोसीजर सिखाए जाते हैं। प्रो. मेहदी ने कहा कि मरीज की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अगर डॉक्टर पहले से अभ्यास कर लेते हैं तो गलती की गुंजाइश नहीं रहती। उन्होंने कहा कि सिमुलेशन बेस्ड एजुकेशन होनी चाहिए ताकि मरीजों की सुरक्षा से समझौता न हो। इसे मेडिकल कैरिकुलम में शामिल किया जाना चाहिए ताकि मरीज के इलाज के दौरान होने वाली गलतियों की संभावना न हो।